न्यायालय- वाणिज्यिक न्यायालय संख्या 01, मेरठ।

निष्पादन वाद संख्या 23/2024

मूलचन्द एंड कंपनी कान्ट्रेक्ट प्रा.लि. बनाम यूनियन आफ इंडिया और अन्य

दिनांकः 29-01-2025

वाद पुकारा गया। उभयपक्ष के विद्वान अधिवक्तागण उपस्थित है।

निर्णीतऋणीगण द्वारा स्टे आदेश दाखिल करने के लिए समय प्रदान करने हेतु प्रार्थना पत्र कागज संख्या 18ग इस आधार पर प्रस्तुत किया गया है कि प्रश्नगत अवार्ड के विरूद्ध माननीय उच्च न्यायालय में कार्यवाही विचाराधीन है और जल्द ही स्टे आदेश प्राप्त होने की उम्मीद है।

डिक्रीदार के विद्वान अधिवक्ता प्रार्थना पत्र कागज संख्या 18ग का विरोध किया गया है।

सुना एवं पत्रावली का अवलोकन किया।

पत्रावली के अवलोकन से यह विदित होता है कि दिनांक 08-01-2025 को निर्णीतऋणीगण को माननीय उच्च न्यायालय द्वारा वर्तमान वाद की कार्यवाही को स्टे करने का आदेश यदि कोई हो, दाखिल करने हेतु अन्तिम अवसर प्रदान किया गया है, किन्तु निर्णीतऋणीगण द्वारा माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पारित कोई स्टे आदेश दाखिल नहीं किया गया है तथा निर्णीतऋणीगण द्वारा स्टे आदेश दाखिल करने हेतु समय प्रदान करने के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः मामले के सम्पूर्ण तथ्यों एवं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए निर्णीतऋणीगण द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र कागज संख्या 18ग स्वीकार होने योग्य नहीं है।

आदेश

निर्णीतऋणीगण द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र कागज संख्या 18ग निरस्त किया जाता है।

डिक्रीदार द्वारा डिक्रीत धनराशि की वसूली हेतु कुर्की आदेश पारित करने हेतु प्रार्थना पत्र कागज संख्या 16ग प्रस्तुत किया गया है जिस पर आपत्ति हेतु निर्णीतऋणीगण के अधिवक्ता द्वारा समय की माँग की गई है। अतः पत्रावली दिनांक 03-03-2025 को प्रार्थना पत्र कागज संख्या 16ग के निस्तारण हेतु पेश हो।

पीठासीन अधिकारी
वाणिज्यिक न्यायालय सं० 1,
मेरठ।

Digitally signed by SATYA NAND UPADHYAY
Date: 2025.01.29 16:57:29 IST
Reason: Document Owner
Location: District and Sessions Court